

न्यायालय, उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन भू.अभिलेख अधिकारी,
जैतारण (जिला-पाली) राज.

कासीन अधिकारी

: श्री डॉ. भास्कर बिश्नोई, आर०ए०एस०

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या

: 108/2020

CMS NO.

: 2020/00175

-: प्रार्थीगण :-

बनाम

-: अप्रार्थीगण :-

1. अमराराम पुत्र पोकरराम जाति
जाट निवासी डिगरना तहसील
जैतारण जिला पाली।

1. भूराराम, प्रधानाचार्य राजकीय उच्च
माध्यमिक विद्यालय फूलमाल
तहसील जैतारण।
2. सुखाराम, शारीरिक शिक्षक,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
फूलमाल तहसील जैतारण।

राजस्व प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956

स्थित:-

1. श्री रामस्वरूप चौधरी, श्री किशोर चौधरी, अधिवक्ता, प्रार्थी।
2. श्री सुरेश चौधरी, अधिवक्ता, अप्रार्थीगण

तारीख रजू.: 02/09/2020

-: निर्णय :-

दिनांक:- 30/05/2022

वकील मय प्रार्थीगण ने एक राजस्व प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956, के तहत विरुद्ध अप्रार्थीगण इस आशय का पेश किया कि सरहद मौजा फूलमाल पटवार हल्का फूलमाल मे प्रार्थी की खरीद सुदा एवं कब्जे काशत की कृषि भूमि ख. नं. 543/448 रकबा 10 बीघा किस्म चाही चारम आई हुई है। उपरोक्त वर्णित आराजी का एक मात्र खातेदार काशतकार प्रार्थी है एवं मौके पर प्रार्थी का ही कब्जा काशत है तथा उपरोक्त वर्णित आराजी राजस्व रेकर्ड के नक्शे मे अलग से तरमीम है तथा मौके पर भी उक्त आराजी से अलग से बंटी हुई है जिसके चारो तरफ मांटे कायम है। नकल जमाबन्दी व नक्शा ट्रेश प्रार्थनापत्र के साथ पेश है जिसे प्रार्थनापत्र का एक आवश्यक भाग माना जाये। उपरोक्त वर्णित आराजी प्रार्थी ने तेजाराम पुत्र भवरलाल जाति कुमावत निवासी खिनावडी से जरिये रजिस्टर्ड बेचान के खरीद की तथा खरीद करने के पश्चात तेजाराम ने प्रार्थी को मौके पर कब्जा सुपुर्द किया तब से लेकर आज दिन तक प्रार्थी निर्विवाद रूप से उपरोक्त वर्णित आराजी पर काशत करता चला आ रहा है। परन्तु अप्रार्थीगण जो कि बिना किसी हक अधिकार के प्रार्थी की जमीन को अपने विद्यालय के खेल मैदान की भूमि मानकर उसकी मांटे तोडकर दखलन्दाजी करना शुरू कर दिया तथा 05 बीघा भूमि पर कब्जा करने की भी कोशिश की तब प्रार्थी ने राजस्व रेकर्ड की नकले व नक्शा बतकर अप्रार्थीगण को कहा कि उपरोक्त आराजी प्रार्थी की खातेदारी एवं कब्जा काशत की भूमि है तथा राजस्व रेकर्ड में अलग से तरमीम है परन्तु अप्रार्थीगण नही माने एवं गांव के कुछ लोगो के साथ मिलकर प्रार्थी की भूमि पर सीमा को लेकर विवाद करने लग गये एवं जो मांटे मौके पर कायम थी उनको भी बिखरने लग गये तब प्रार्थी के पास अन्य कोई विकल्प शेष नही रहने से यह प्रार्थनापत्र प्रार्थी की ओर से विरुद्ध अप्रार्थीगण के पेश है। अप्रार्थीगण के स्कूल के खेल मैदान की भूमि खसरा नम्बर 448/488 रकबा 5 बीघा किस्म गै.मु. खेल मैदान है जो राजस्व रेकर्ड में अलग से इन्द्राज है एवं राजस्व रेकर्ड के नक्शे में भी अलग से तरमीम है इस

उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर,
जैतारण

प्राथी की ज़ातेदारी एवं अप्राथीगण के खेल मैदान की भूमिमा न ती आस पास है और नही उनका रकबा समान है और न ही एक खसरे का भाग है परन्तु भी अप्राथीगण गांव के कुछ लोगों की मिसावत व बहकावत में आकर जबरदस्ती को लेकर विवाद करने लग गये एवं प्राथी की भूमि पर अपना हक जताने लग गये तब प्राथी ने दिनांक 26/08/2020 को अपने अधिवक्ता के मार्फत कानूनी सलाह भी लिया परन्तु फिर भी अप्राथीगण अपनी हरकतों से बाज नहीं आये एवं जबरदस्ती सीमा विवाद कर रहे हैं एवं प्राथी की भूमि को उनके स्कूल के खेल मैदान की भूमि बताकर जबरदस्ती दखलान्वाजी करने पर उतारू हो गये तब प्राथी ने दिनांक 26/08/2020 को पुलिस थाना जैतारण में एक रिपोर्ट भी पेश की नकल कानूनी सलाह व रिपोर्ट प्रार्थनापत्र के साथ पेश है। प्राथी की ज़ातेदारी एवं कब्जे काशत की भूमि जो राजस्व रेकर्ड में अलग से इन्द्राज है फिर भी अप्राथीगण गैरकानूनी तरीके से विधिविरुद्ध तरीके से पिछले काफी दिनों से सीमा को लेकर विवाद कर रहे हैं प्राथी की कृषि भूमि को चारों ओर काशम मांठे को बिखेरकर के अपना हक जता रहे हैं जबकि प्राथी की कृषि भूमि ख.नं. 543/448 का टाइटल स्पष्ट रूप से प्राथी पास है एवं प्राथी का सेटल पजेशन है। परन्तु अप्राथीगण नियत विरुद्ध कानून को तोड़कर के इस तरह का गैरकानूनी कृत्य कर सीमा विवाद खड़ा कर दिया शलिए प्राथी के पास अन्य कोई विकल्प शेष नहीं रहने से यह प्रार्थनापत्र विरुद्ध अप्राथीगण के पेश है। दिनांक 26/08/2020 को व दिनांक 27/08/2020 को अप्राथीगण द्वारा प्राथी की कब्जे काशत की कृषि भूमि की सीमा को लेकर विवाद करने एवं मौके पर मांठे वगैरा बिखेरने पर प्राथी द्वारा अप्राथीगण को राजस्व रेकर्ड भी नकले दिखाने एवं उनको समझाने पर भी नहीं मानने पर प्राथी को उक्त प्रार्थनापत्र पेश करना पडा जो श्रीमान् के श्रवणाधिकार एवं क्षेत्राधिकार में है।

प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। प्रतिवादीगण को जरिए जमान तलब किया गया। अप्राथीगण संख्या 1 तथा 2 के द्वारा वकालतनामा पेश किया जो शामिल मिसल किया गया। अप्राथीगण संख्या 1 से 2 की ओर से जवाब प्रार्थना पत्र पेश कर कथन किया गया कि प्रार्थना पत्र के पद संख्या 01 में वर्णित संख्या नम्बर 543/448 रकबा 10 बीघा की भूमि राजस्व रेकर्ड में अवश्य दर्ज है। लेकिन प्राथी ने उक्त भूमि को राजस्व रेकर्ड में गलत तरीक़ा करवाया है। जिस स्थान पर प्राथी ने अपनी भूमि तरमीम होना बताया है। उक्त स्थान वास्तव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलमाल का खेल मैदान है जहां पर बच्चों के खेलने के उपकरण लगे हुये है। साथ ही विद्यालय स्टाफ एवं गामवासीयो द्वारा इस खेल मैदान में कई पोथे भी लगाये हुये है। तथा खेल मैदान के चारों तरफ तारबन्दी की हुई है। उक्त खेल मैदान पिछले 20 वर्षों से है। उसके बावजूद भी राजस्व अधिकारीयो ने विद्यालय के खेल मैदान वाले स्थल पर प्राथी की भूमि होना गलत बताया है। उक्त तथ्यों के अलावा सम्पूर्ण पद असत्य होने से अस्वीकार है। प्रार्थना पत्र के पद संख्या 02 में वर्णित कथन कतई असत्य झूठे व बेबुनियाद होने से अस्वीकार है। मौके पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का खेल मैदान स्थित होने से इस स्थल पर तेजाराम कुमावत का कभी भी कोई कब्जा व हक अधिकार नहीं रहा था। न ही मौके पर तेजाराम या प्राथी ने कोई काशत की है। बल्कि मौके पर विद्यालय का खेल मैदान है जहां पर वर्षों पूर्व पेड़ पोथे व खेल उपकरण लगाये हुये

आखण्ड अधिवक्ता एवं
पदेन सदस्य के फुलपटर,
जैतारण, जिला पाली

प्रार्थी ने खेल मैदान के स्थल पर अपनी भूमि होना बताते हुये गलत तरमीम करवायी है। एवं इसी गलत तरमीम के आधार पर अदालत श्रीमान के समक्ष यह आधार कार्यवाही पेश की है जो कतई गलत होने से अस्वीकार है। उक्त तथ्यों के द्वारा सम्पूर्ण पद असत्य होने से अस्वीकार है। प्रार्थना पत्र के पद संख्या 03 में उक्त व लगाये गये आरोप पूर्णतय असत्य झूठे व बेबुनियाद होने से अस्वीकार है। प्रार्थी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पदस्थापित है तथा इस विद्यालय का खेल मैदान राजकीय सम्पत्ति है। जिसमे अप्रार्थीगण का कोई व्यक्ति हित नहीं है। प्रार्थी ने खेल मैदान के स्थल पर अपनी गलत तरमीम करवायी है। तत्पश्चात मौके स्थित विद्यालय मैदान पर जबरदस्ती कब्जा करने लगा। तब ग्रामवासीयो व विद्यालय कार्मिको ने ऐतराज किया था। इस प्रकार से जवाब देहन्दागण का इस विद्यालय मैदान पर कोई व्यक्तिगत हित नहीं होकर पदीय हैसियत में कार्य करे रहे है। इस प्रकार से जवाब देहन्दागण ने प्रार्थी पक्ष से न तो कोई विवाद किया न ही प्रार्थी को कोई नुकसान होने का कोई अंदेशा है। दिनांक 26.08.2020 का उल्लेख प्रार्थी ने यह कार्यवाही करने की मंशा से झूठा किया है। इस प्रकार से इस प्रकरण में वर्णित अनुसार नाप चौप बाबत कोई विवाद नहीं है। तथा प्रार्थी इस प्रकरण में वर्णित स्थल आउट ऑफ पजेशन है। इसलिये धारा 128 एलआरएक्ट के प्रावधान लागू नहीं है। उक्त तथ्यों के अलावा सम्पूर्ण पद असत्य होने से अस्वीकार है। प्रार्थना पत्र के पद संख्या 04 में वर्णित तथ्य गलत झूठे व बेबुनियाद होने से अस्वीकार है। प्रार्थना पत्र के पद संख्या 05 में क्षेत्राधिकार बाबत है जो काबिल गौर अदालत के है यह है कि प्रार्थना पत्र के पद संख्या 06 में मालियत बाबत है जो काबिल गौर अदालत के है। प्रार्थना पत्र के पद संख्या 7 का जवाब देने की आवश्यकता नहीं है।

पत्रावली एवं संलग्न राजस्व अभिलेख का अवलोकन एवं अध्ययन किया गया। प्रकरण में उभयपक्ष की बहस सुनी गई। प्रकरण का बिन्दुवार विवेचन एवं निर्णयन् अनुसार है-

प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण के विरुद्ध हस्तगत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 एलआरएक्ट के अन्तर्गत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम फुलमाल हसील जैतारण में प्रार्थी की खातेदारी कृषि भूमि ख. नं. 543/448 रकबा 10 बीघा किस्म चाही चारम स्थित है, जिस पर प्रार्थी काबिज काशत है। अप्रार्थीगण के द्वारा खेल मैदान की भूमि के खसरा नम्बर 448/488 रकबा 5 बीघा किस्म गै. के खेल मैदान है जो राजस्व रेकर्ड में अलग से इन्द्राज है एवं राजस्व रेकर्ड के नक्शे में भी अलग से तरमीम है। प्रार्थी की भूमि राजस्व रेकर्ड के नक्शे में अलग से तरमीम है तथा मौके पर अलग बंटी हुई है लेकिन अप्रार्थीगण बिना किसी हक एवं अधिकार के प्रार्थी की जमीन में दखलन्दाजी करना शुरू कर दिया तथा सीमाज्ञान करवाया जाकर नाप चौप किया जाकर पत्थरगढी करवायी जाये, तथा प्रार्थी तैयार नहीं है। अतः प्रार्थी की खातेदारी भूमि खसरा संख्या 543/448 का सीमाज्ञान करवाया जाकर नाप चौप किया जाकर पत्थरगढी करवायी जाये, तथा अप्रार्थीगण द्वारा मौके पर विवाद करने के कारण आदेश की पालना जरिए पुलिस द्वारा दखलाने करवायी जाये।

2. अप्रार्थी संख्या 1 तथा 2 द्वारा जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर कथन किया कि खसरा संख्या 543/448 रकबा 10-00 बीघा भूमि राजस्व रेकर्ड में दर्ज अवश्य है


उपरोक्त अधिकारी एवं
पदेन सदस्य के क्लर्क,
जैतारण, संख्या 543/448

राजस्व रेकॉर्ड में गलत तरमीम है बल्कि इस स्थान पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलमाल का खेल मैदान है। अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थीपक्ष से कोई विवाद नहीं किया है तथा न ही किसी प्रकार का कोई विवाद है। प्रार्थी वर्णित स्थल आउट ऑफ पजेशन है। अतः प्रार्थना पत्र काबिल खारिज हो।

प्रकरण में पटवारी फुलमाल व भू अभिलेख निरीक्षक जैतारण से रिकॉर्ड एवं मौका तथ्यात्मक जांच प्राप्त की गई जिसके अनुसार ग्राम फुलमाल की खसरा संख्या 3/448 रकबा 10-00 किरम चाही चारम खातेदार अमराराम पुत्र पोकरराम के नाम दर्ज तथा तरमीमशुदा है, जो कि तेजाराम पुत्र भंवरराम कुमावत से दिनांक 09.12.2019 को पंजीकृत विक्रय विलेख से क्रय की गई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलमाल को खेल मैदान हेतु आवंटित भूमि का खसरा संख्या 448/488 रकबा 05-00 बीघा है जो राजस्व रेकॉर्ड में अलग से दर्ज व नक्शे में अलग से तरमीमशुदा है। उक्त आवंटित भूमि मुल खसरा संख्या 448 का भाग है। एवं प्रार्थी खातेदारी भूमि से लगभग 400 मीटर की दूरी पर स्थित है। स्कूल प्रशासन द्वारा दिनांक तक उक्त आवंटित खेल मैदान का कब्जा नहीं लिया गया है। खसरा संख्या 448/488 में लगभग 05-00 बीघा पर स्कूल प्रशासन द्वारा कब्जा कर तारबंदी कराई हुई है।

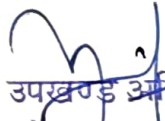
भू अभिलेख जमाबंदी एवं नक्शा के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रार्थी की खातेदारी भूमि जो कि प्रार्थी के नाम दर्ज एवं तरमीमशुदा है। तथा अप्रार्थी विद्यालय को आवंटित खेल मैदान की भूमि प्रार्थी की खातेदारी भूमि से लगभग 400 मीटर दूरी पर स्थित खसरा संख्या 448/488 है जिसका रकबा 05-00 बीघा है जो कि तरमीमशुदा है। चूंकि राजकीय कार्यालय को भूमि का आवंटन हेतु प्रेषित प्रस्ताव के अनुरूप सक्षम स्तर से किया जाकर भू अभिलेख में अमलदरामद एवं तरमीम किया जाता है। तथा तत्पश्चात संबंधित आवंटि को कब्जा सुपुर्द किया जाता है। हस्तगत प्रकरण में प्राप्त भू अभिलेख निरीक्षक जैतारण के जांच प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि संबंधित विद्यालय प्रशासन द्वारा बिना आवंटन के गलत स्थान पर स्वेच्छ से कब्जा किया गया है। जबकि विद्यालय को खेल मैदान हेतु आवंटित भूमि जो तरमीमशुदा है, जानबूझकर कब्जा प्राप्त नहीं किया गया है। साथ ही यदि संबंधित विद्यालय को यह लगता है कि उसको आवंटित भूमि की तरमीम गलत की हुई है तो उसे शुद्ध करवाने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए या जो कि नहीं किया गया है।

5. चूंकि हस्तगत प्रकरण में विवाद के समाधान के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित पटवारी एवं भू अभिलेख निरीक्षक के यदि तरमीम को लेकर कोई त्रुटि संज्ञान में आती है या किसी पक्षकार द्वारा संज्ञान में लाया जाये तो उसकी जांच कर यदि त्रुटि नहीं पायी जाती है तो उभयपक्ष की भू अभिलेख में अभिलिखित भूमि जिसके खसरा संख्या, रकबा एवं किरम भिन्न-भिन्न है तथा दोनो भूमियां परस्पर 400 मीटर की दूरी पर स्थित है, का मौका एवं रिकॉर्ड के अनुरूप सीमाज्ञान करवाते हुए मौके पर सीमाचिह्न संबंधित के हर्जे खर्चे से रोपित करवाना प्रकरण में विद्यमान विवाद के सम्यक निस्तारण के लिए आवश्यक उचित एवं विधिसंगत होगा।



उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर,
जैतारण जिला-पाली

-:: आदेश ::-

अतः उपर्युक्त विवेचन के आलोक में निष्कर्षतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थी द्वारा धारा 128, राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 भलीभांती साबित होने से स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार, जैतारण को निर्देश दिए हैं कि ग्राम- फुलमाल तहसील-जैतारण, जिला-पाली में स्थित प्रार्थी की राजी ख. नं. 543/448 रकबा 10 बीघा किस्म चाही चारम एवं अप्रार्थी राजकीय धार्मिक विद्यालय फुलमाल के खेल मैदान की भूमि के खसरा संख्या 448/488 रकबा 05-00 बीघा किस्म गै.मु. खेल मैदान की भू नक्शा में की गई तरमीम की प्रस्तावित करते हुए राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 111 में विहित किया का अनुपालन करते हुए मुताबिक जमाबंदी एवं भू नक्शे मौके पर नाप चौपट सीमाज्ञान करें, संबंधित के हर्जे खर्चे से उक्त खसरा संख्याओं की आराजी की समाप्त पर सीमा-विभाजक रोपित करावें। उभय पक्षकारान को पाबंद किया जाता है कि उक्त कार्यवाही मौके पर उपस्थित रहें। अप्रार्थीगण को पाबंद किया जाता है कि सक्षम अधिकारी द्वारा राजकीय संस्थान को आवंटित भूमि का तत्काल कब्जा प्राप्त करते हुए उसे संरक्षित एवं सुरक्षित रखने हेतु समुचित कार्यवाही करें। तहसीलदार, जैतारण को लनार्थ तहरीर जारी हो। पत्रावली इसी कदर निर्णित होकर संख्या से एक कम कर, दाखिल दफ्तर हो।


 उपखण्ड अधिकारी एवं
 पदेन भू-अभिलेख अधिकारी, जैतारण
 (जिला-पाली)

वर्ष आज दिनांक 30/05/2022 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।


 उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन
 भू-अभिलेख अधिकारी, जैतारण
 (जिला-पाली)